सलामे मोहम्मदी ﷺ

चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत 14

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

786/92

सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्कूत

14

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللہِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

صـ م ح م د ـلی اللہ علیہ وسلم

صـ ح م د م ـلی اللہ علیہ وسلم

صـ م د م ح ـلی اللہ علیہ وسلم

صـ د م ح م ـلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

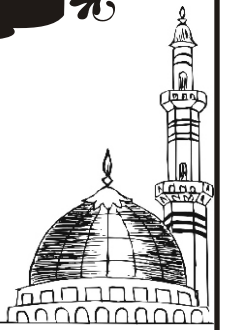

मुरत्तिब

बमौक़ा रबीउ़स्सानी 1438हि0

बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व हज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

सलामे मोह़म्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्कूत़(14)

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्मल अ
ह़दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि व सल्लिम
मास़ल्ला वसल्लमल्लाहु व मलाइकुहू व कुल्लुल
मुस्लिमि व मुह़युल इस्लामि व मासुति़ र
अ़लल्लौहि़ मुकर्ररन कुल्लल़ालि अ़ला मौलाई
अस्लि इस्लामि क व दारिस्सलामि व मूसि़लि
हुक्मि क व मुअ़ति़यि कमालि अस्रारि क व हु
व मस्रूरुल्लाहि मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व सा र
वालिदुहू अक्मलल वालिदि व उम्मुहू अक्मलल
उम्मि व आलुहू अक्मलल आलि व अ़ला
वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला

अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही व कुल्लि उममि रसूलिल्लाहि अ़ द द कुल्लि अ़ताइल्लाहि ।

मुराद

अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे वाह़िद अल्लाह, वाह़िद अल्लाह ही इलाह है दुरूदो सलाम कि अल्लाह और उस के मलाइका वारिद किए और सारे मुस्लिम वारिद किए और मोह़युल इस्लाम वारिद किए और वह कि मस्तूर अ़लल्लौह़ है वही दुरूदो सलाम मुकर्रर हर दम वारिद हो हमारे मौला इस्लाम की अस्ल के लिए और दारूस्सलाम की अस्ल के लिए और हुक्मे इलाही के

मूसिल के लिए हो और कमाले अस्रारे इलाही के मोअ़ती के लिए हो, और वह अल्लाह का मस्रूर मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद कमाल वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारे आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम मअ़ अ़ददे अ़ताए इलाही के ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है

सलामती वाला है ऐ हमारे यक्ता अल्लाह, अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं जो दुरूदो सलाम अल्लाह ने भेजा और उस के फ़िरिश्तों ने भेजा और तमाम मुसल्मानों ने भेजा और जो दुरूदो सलाम दीन के ज़िन्दा कर ने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहु अ़न्हु ने भेजा और वह दुरूदो सलाम जो लौहे़ मह़फ़ूज़ में लिखा हुवा है वही दुरूदो सलाम दोबारह हर दम तू नाज़िल फ़रमा हमारे मौला तेरे इस्लाम की जान पर और जन्नत की जान पर और तेरे हुक्म के पहुँचाने वाले पर और तेरे मोकम्मल राज़ों के अ़ता करने वाले पर और वह अल्लाह की खुश्नूदी मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद(सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु) तमाम वालिद में सब से ज़्यादा कमाल वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सब से ज़्यादा कमाल वाली हैं और जिनकी आलो

औलाद तमाम आलो औलाद में सब से ज़्यादा कमाल वाले हैं और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ातेमा ज़हरा रदि़यल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम अ़ताए इलाही की तअ़दाद के मुताबिक़।

फ़ज़ीलत सलामे मोहम्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत 14

यह "सलामे मोहम्मदी ﷺ चहल मीम" जो कि ४० मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्क़ूत है जिस को समझने के लिए तौज़ीही तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना १००/११/५ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की खुश्नूदी ह़ासिल होगी उसे जुम्ला औलियाए केराम का फ़ैज़ मिलेगा और वह नूरे ईमान व इस्लाम और एह़सान से मुस्तफ़ीज़ होगा।और ईमान पर ख़ातेमा होगा । इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

नोटः- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्तन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोहम्मदी, सलामे मोहम्मदी मअ़ अस्रारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम"वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं।

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com